Total No. of Questions—**5**] [Total No. of Printed Pages—**3**

[3902]-111

M.A. (First Semester) EXAMINATION, 2011

हिंदी

प्रश्नपत्र 1 : सामान्य स्तर

(आधुनिक हिंदी कथा साहित्य (उपन्यास तथा कहानी)

(2008 PATTERN)

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

पाठयपुस्तकें :—(1) कालजयी हिंदी कहानियाँ
संपादक-रेखा सेठी, रेखा उप्रेती

(2) विजन-मैत्रेयी पुष्पा ।

सूचना :— (*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं ।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं ।

1. 'आधुनिक कहानी ने सामाजिक यथार्थ के साथ मानव-मन की गहराइयों को भी शब्दांकित किया है'—पठित कहानियों के आधार पर स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

'चीफ की दावत' कहानी में आधुनिक मनुष्य की स्थार्थवृत्ति और मौकापरस्ती का यथार्थ चित्रण है—सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।

2. 'विजन' में चिकित्सा क्षेत्र के भ्रष्टाचार एवं शोषण का यथार्थ प्रस्तुत है—सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

आभा द्विवेदी और नेहा शरण की व्यथापूर्ण मानसिकता का उपन्यास के आधार पर परिचय दीजिए ।

3. 'कफन' कहानी की कालजयिता का सोदाहरण विवेचन कीजिए ।

अथवा

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) आभा द्विवेदी का दांपत्य जीवन

(ख) 'विजन' उपन्यास का उद्‌देश्य

(ग) 'विजन' उपन्यास में चित्रित समाज ।

4. 'विजन' उपन्यास के पुरुष पात्रों का चरित्र-चित्रण लिखिए ।

अथवा

निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **चार** के उत्तर लिखिए :

(च) 'आदमी की बच्चा' कहानी की डौली की मानसिकता का परिचय दीजिए ।

(छ) हिली-बोन् अपनी बत्तखों को क्यों मारती है ?

(ज) 'वापसी' में प्रस्तुत परिवार का परिचय लिखिए ।

(झ) 'अकेली' कहानी के उद्‌देश्य को स्पष्ट कीजिए ।

(त) 'गर्मियों के दिन' कहानी के शीर्षक की सार्थकता स्पष्ट कीजिए ।

(थ) 'दोपहर का भोजन' की सिद्धेश्वरी का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

5. निम्नलिखित अवतरणों की संसदर्भ व्याख्या कीजिए :

(द) ''मरने के लिए उसे वही जगह, वही दस बरस की उम्र और वही काले चिथड़ों की कमीज मिली ! आदमियों की दुनिया ने बस यही उपहार उसके पास छोड़ा था ।''

अथवा

''लेटे-लेटे उसे लगा कि यह बिस्तर नहीं, कब्र है, जिसमें वह पड़ी है निस्पंद, निश्चेष्ट । उसके आसपास गहरा गाढ़ा अंधेरा है । कभी न खत्म होने वाली एक निरंतरता उसे मिल गई है, उसमें न किसी की डाँट है, न फटकार, न आरोप न खंडन ।''

(ध) ''रैटिना, समझते हो ? पिछला पर्दा डॅमेज (क्षतिग्रस्त) हो गया है, मगर आँख स्ट्रगल (संघर्ष) कर रही है । मैंने लगभग युद्ध की भाषा का प्रयोग किया । डॉ. आभा की सीख—रोगी से इस तरह बात करो कि वह तुम से सहज हो जाए । रोग के लक्षण खुलकर कह सके ।''

अथवा

''मुकुल, तुम अपनी कमजोरी के लिए आभा को अपराधिनी क्यों बनाते हो ? ऐसा करना खासा सुकून देता है, तभी तो सैडेस्टिक प्लेजर पाने के लिए कह डाला—मैं ससुराल में नहीं रहूँगा । वेरी फनी ! तिर्यंक-सी मुस्कान थी आभा के होठों पर ।''

Total No. of Questions—**5**] [Total No. of Printed Pages—**3**

[3902]-112

M.A. (First Semester) EXAMINATION, 2011

HINDI (हिंदी)

विशेष स्तर : प्रश्न-पत्र-2

(प्राचीन तथा मध्ययुगीन हिंदी काव्य)

(2008 PATTERN)

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

पाठ्यपुस्तकें :— (1) विद्यापति : आलोचना और संग्रह
सं. डॉ. आनंदप्रकाश दीक्षित।
(2) पद्‌मावत : मलिक मुहम्मद जायसी
सं. डॉ. वसुदेवशरण अग्रवाल।

सूचनाएँ :— (*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।
(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. विद्यापति के काव्य में भावों के साथ प्रकृति-चित्रण भी मनोहारी हुआ है। सोदाहरण लिखिए।

अथवा

विद्यापति के काव्य में प्रस्तुत नख-शिख वर्णन का सोदाहरण विवेचन कीजिए।

2. 'पद्‌मावत' में श्रृंगार और सौंदर्य का परिपाक हुआ है। पठित खंड के आधार पर लिखिए।

अथवा

'पद्‌मावत' के पात्रों का चरित्र-चित्रण कीजिए।

3. विद्यापति के काव्य में काव्य-कला का निखार है। 'पदावली' के आधार पर लिखिए।

अथवा

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) 'पद्मावत' में विरह-वर्णन

(ख) 'पद्मावत' की दार्शनिकता

(ग) 'पद्मावत' की संक्षिप्त कथावस्तु।

4. महाकाव्य के तत्वों के आधार पर 'पद्मावत' की समीक्षा कीजिए।

अथवा

निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

(च) विद्यापति के व्यक्तित्व और कृतित्व का परिचय दीजिए।

(छ) विद्यापति की भाषा का विवेचन कीजिए।

(ज) विद्यापति के काव्य में प्रस्तुत 'संयोग श्रृंगार' का सोदाहरण विवेचन कीजिए।

(झ) विद्यापति भक्त कवि हैं या श्रृंगारी कवि—स्पष्ट कीजिए।

(त) विद्यापति के काव्य की गेयता का सोदाहरण विवेचन कीजिए।

(थ) विद्यापति के योगदान पर प्रकाश डालिए।

5. निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

(द) सैसव जौबन दरसन भेल।
दुहु दल बले दंद परि गेल।
कबहुँ बाँधय कच कबहुँ बिथारि।
कबहुँ झाँपय अंग कबहुँ उघारि।
अतिथिर नयन अथिर किछु भेल।
उरज उदय थल लालिम देल।
चंचल चरन चंचल चित भान।
जागल मनसिज मुदिस नयान।
विद्यापति कह सुनु बर कान।
धीरज धरह मिलायब आन॥

अथवा

जहँ-जहँ पग-जुग-धरई। तहिं-तहिं सरोरुह झरई॥
जहँ-जहँ झलकत अंग। तहिं-तहिं बिजरि-तरंग॥
कि हेरल अपरुब गोरि। पइठल हिय मधि मोरि॥
जहँ-जहँ नयन विकास। तहिं-तहिं कमल प्रकास॥

(ध) एक देवस कौनिउँ तिथि आई। मानसरोदक चली अन्हाई।
पदुमावति सब सखीं बोलाईं। जनु फुलवारि सबै चलि आईं।
कोइ चंपा कोइ कुंद सहेली। कोइ सुकेत करना रस बेली।
कोइ सुगुलाल सुदरसन राती। कोइ बकौरि बकुचन विहँसाती।
कोइ सु बोलसरि पहुपावती। कोइ जाही जूही सेवती।
कोइ सोनजरद जेइँ केसरि। कोई सिंगारहार नागेसरि।
कोइ कूजा सदबरग चँबेली। कोइ कदम सुरस रस बेली॥

अथवा

चढ़ा असाढ़ गँगन घन गाजा। साजा बिरह दुंद दल बाजा।
धूम स्याम धौरे घन छाए। सेत धुजा बगु पाँति देखाए।
खरग बीज चमकै चहुँ ओरा। बुंद बान बरिसै घन घोरा।
अद्रा लाग बीज भुइँ लेइ। मोहि पिय बिनु को आदर देई।
ओनै घटा आई चहुँ फेरी। कंत उबारु मदन हौं घेरी।
दादुर मोर कोकिला पीऊ। करहिं बेझ घट रहै न जीऊ।
पुख नक्षत्र सिर उपर आवा। हौं बिनु नाँह मँदिर को छावा॥

Total No. of Questions—**8**] [Total No. of Printed Pages—**2**

[3902]-113

M.A. (First Semester) EXAMINATION, 2011

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र 3 : विशेष स्तर

भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धांत

(2008 PATTERN)

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

सूचनाएँ :—(*i*) किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. रसनिष्पत्ति का सिद्धान्त स्पष्ट करते हुए रसानुभूति का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

2. अलंकार और अलंकार्य को स्पष्ट करते हुए अलंकारों के मनोवैज्ञानिक आधार पर प्रकाश डालिए।

3. आचार्य वामन के रीति सिद्धांत को स्पष्ट कीजिए।

4. आचार्य आनंदवर्धन के ध्वनि-सिद्धांत को स्पष्ट करते हुए ध्वनि के महत्व पर प्रकाश डालिए।

5. वक्रोक्ति की अवधारणा स्पष्ट करते हुए वक्रोक्ति के भेदों का विवेचन कीजिए।

6. औचित्य सिद्धांत, काव्यशास्त्र के सभी सिद्धांतों से अटूट संबंधित है। स्पष्ट कीजिए।

7. ध्वनि के आधार पर काव्य के भेदों का विवेचन करते हुए ध्वनि सिद्धांत के योगदान का विवेचन कीजिए।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) अभिनवगुप्त की रसनिष्पत्ति की व्याख्या

(ख) साधारणीकरण की अवधारणा

(ग) रीति के भेद

(घ) औचित्य के प्रकार।

Total No. of Questions—**8+8+8+8**] [Total No. of Printed Pages—**8+2**

[3902]-114

M.A. (Part I) (First Semester) EXAMINATION, 2011

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र 4 : विशेष स्तर : वैकल्पिक

(2008 PATTERN)

महत्त्वपूर्ण सूचना :—निम्नलिखित पाठ्यक्रमों में से किसी **एक** ही पाठ्यक्रम के प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(अ) विशेष साहित्यकार : कबीर

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

पाठ्यपुस्तक :—कबीर ग्रंथावली—सं. श्यामसुंदर दास।

सूचनाएँ :—(*i*) कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए, जिनमें से **आठवाँ** प्रश्न अनिवार्य है।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. कबीर के व्यक्तित्व की विशेषताएँ लिखिए।

2. धार्मिक मतों के संबंध में कबीर का दृष्टिकोण विद्रोही एवं समन्वयात्मकता का है। स्पष्ट कीजिए।

3. कबीर के काव्य में प्रस्तुत प्रेम-तत्व पर प्रकाश डालिए।

4. कबीर के ब्रह्म और माया विषयक विचारों को विशद कीजिए।

5. पठित काव्य के आधार पर कबीर के कवित्त्व पर प्रकाश डालिए।

6. कबीर के काव्य में विद्रोही भावना का विवेचन कीजिए।

7. पठित काव्य के आधार पर कबीर की भाषा पर प्रकाश डालिए।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

(अ) नाँ गुरु मिल्या न सिष भया, लालच खेल्या डाव।
दुन्यूँ बूड़े धार मैं, चढि पाथर की नाव॥
गुरु गोविंद तौ एक है दूजा यह आकार।
आपा मेट जीवत मरै, तो पावै करतार॥

(आ) झूठे सुख कौ सुख कहैं, मानत है मन मोद।
खलक चवीणाँ काल का, कुछ मुख मैं कुछ गोद॥
कबीर यहु जग कुछ नहीं, षिन षारा मीठ।
काल्हि जु बैठा माडियाँ, आज नसाँणाँ दीठ॥

(इ) कुहु पाँडे सुचि कवन ठाँव, जिहि घरि भोजन बैठि खाऊँ।
माता जूठा पिता पुनि जूठा जूठे फल चित्त लागे।
जूठ आँवन जूठा जाँनाँ, चेतहु क्यूँ न अभागे॥
अन्न जूठा पाँनी पुनि जूठा, जूठे बैठि पकाया।
जूठी कड़छी अन्न परोस्या, जूठे जूठा खाया॥
चौका जूठा गोबर जूठा, जूठी का ढोकारा।
कहै कबीर तेई जन सूचे, जे हरि भजि तजहि बिकारा॥

[3902]-114

(आ) विशेष साहित्यकार : तुलसीदास

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

पाठ्यपुस्तकें :— (*i*) श्रीरामचरितमानस (उत्तरकांड)।

(*ii*) विनयपत्रिका—सं. वियोगी हरि।

सूचनाएँ :—(*i*) कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए, जिनमें से **आठवाँ** प्रश्न अनिवार्य है।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. तुलसीदास का जीवन-परिचय देते हुए उनकी रचनाओं का परिचय दीजिए।

2. पठित रचनाओं के आधार पर तुलसीदास की भक्ति-पद्धति का विवेचन कीजिए।

3. तुलसीदास के दार्शनिक विचारों का परिचय दीजिए।

4. 'रामचरितमानस' मूल्यों का संवाहक काव्य है। स्पष्ट कीजिए।

5. 'विनयपत्रिका' के वर्ण्य विषय पर प्रकाश डालिए।

6. 'विनयपत्रिका' की भाषा एवं छंद योजना पर प्रकाश डालिए।

7. 'तुलसीदास महान लोकनायक हैं' पठित रचनाओं के आधार पर लिखिए।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

(क) नारि कुमुदिनीं अवध सर रघुपति बिरह दिनेस।
अस्त भएँ बिगसत भईं निरखि राम राकेस॥
होंहि सगुन सुभ बिबिधि बिधि बाजहिं गगन निसान।
पुर नर नारि सनाथ करि भवन चले भगवान॥

अथवा

हरन सकल श्रम प्रभु श्रम पाई। गए जहाँ सीतल अवँराई॥
भरत दीन्ह निज बसन डसाई। बैठे प्रभु सेवहिं सब भाई॥
मारुतसुत तब मारुत करई। पुलक बपुण लोचन जल भरई॥
हनूमान सम नहिं बड़भागी। नहिं कोउ राम चरन अनुरागी॥
गिरिजा जासु प्रीति सेवकाई। बार बार प्रभु निज मुख गाई॥

(ख) देव बड़े, दाता बड़े, संकर बड़े भोरे।
किये दूर दुख सबनि के, जिन्ह-जिन्ह कर जोरे॥
सेवा, सुमिरन, पूजिबौं, पात आखत थोरे।
दियो जगत जहँ लगि सबै, सुख, गज, रथ, घोरे॥
गाँव बसत बामदेव, मैं कबहूँ न निहोरे।
अधिभौतिक बाधा भई, ते किंकर तोरे॥
बेगि बोलि बलि वरजिये; करतूति कठोरे।
तुलसी दल रुँध्यों चहैं, सठ साखि सिहोरे॥

अथवा

मन! माधव को नेकु निहारहि।

सुन सठ, सदा रंक के धन ज्यों, छिन-छिन प्रभुहिं सँभारहि॥

सोभा-सील-ग्यान-गुन-मंदिर, सुंदह परम उदारहि।

रंजन संत, अखिल-अघ-गंजन, भंजन विषय-बिकारहि॥

जो बिनु जोग, जग्य व्रत, संयम गयो चहै भव-पारहि।

तौ जनि तुलसिदास निसिबासर हरिपद-कमल बिसारहि॥

(इ) विशेष साहित्यकार : नाटककार मोहन राकेश

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

पाठ्यपुस्तकें :— (*i*) आषाढ का एक दिन

(*ii*) लहरों के राजहंस

(*iii*) आधे अधूरे।

सूचनाएँ :—(*i*) कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए, जिनमें से **आठवाँ** प्रश्न अनिवार्य है।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. भारतीय एवं पाश्चात्य दृष्टि से नाटक के स्वरूप एवं तत्वों का परिचय दीजिए।

2. मोहन राकेश के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालिए।

3. स्वातंत्र्योत्तर नाटक का सामान्य परिचय दीजिए।

4. ''प्रस्तुतीकरण की दृष्टि से 'आषाढ का एक दिन' सफल नाटक है।'' स्पष्ट कीजिए।

5. '' 'लहरों के राजहंस' में कथ्य और शिल्प का सुन्दर समन्वय हुआ है।'' स्पष्ट कीजिए।

6. '' 'आधे अधूरे' नाटक में मध्यवर्गीय मानसिकता का और आधुनिक जीवन की विसंगतियों को उजागर किया है।'' विशद कीजिए।

7. निम्नलिखित विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) मोहन राकेश के प्रयोगधर्मी नाटक

(ख) 'आषाढ का एक दिन' का कालिदास

(ग) 'लहरों के राजहंस' की रंगमंचीयता

(घ) 'आधे अधूरे' की जुनेजा।

8. निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

(च) ''मैं जानती हूँ कि तुम्हारे चले जाने से मेरे अंतर को एक रिक्तता छा लेगी। बाहर भी सम्भवतः बहुत सूना प्रतीत होगा।''

अथवा

''योग्यता एक चौथाई व्यक्तित्व का निर्माण करती है। शेष पूर्ति प्रतिष्ठा द्वारा होती है।''

(छ) ''देवी यशोधरा का आकर्षण यदि राजकुमार सिद्धार्थ को बाँध सकता है, तो क्या आज भी राजकुमार सिद्धार्थ ही न होते ?''

अथवा

''आपका ब्याह एक यक्षिणी से हुआ है जो हर समय आपको अपने जादू से चलाती है।''

(ज) ''उस मोहरे की बिलकुल-बिलकुल जरूरत नहीं है जो न खुद चलता है, न किसी और को चलने देता है।''

अथवा

''हर वक्त की धुतकार, हर वक्त की कोंच, बस यही कमाई है यहाँ मेरी इतने सालों की ?''

[3902]-114

(ई) विशेष साहित्यकार : कवि अज्ञेय

समय : तीन घंटे — पूर्णांक : 80

पाठ्यपुस्तकें :— (*i*) हरी घर पर क्षण भर

(*ii*) बावरा अहेरी

(*iii*) कितनी नावों में कितनी बार।

सूचनाएँ :—(*i*) कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए, जिनमें से **आठवाँ** प्रश्न अनिवार्य है।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. कवि अज्ञेय के साहित्यिक व्यक्तित्व का परिचय दीजिए।

2. युगीन पृष्ठभूमि के परिप्रेक्ष्य में अज्ञेय की काव्यकृतियों का विवेचन कीजिए।

3. अज्ञेय के काव्य में प्रेमभावना को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

4. ''प्रकृति-चित्रण अज्ञेय के काव्य की आत्मा है।'' पठित कविताओं के परिप्रेक्ष्य में स्पष्ट कीजिए।

5. 'हरी घर पर क्षण भर' में कवि की अनुभूति और अभिव्यक्ति को स्पष्ट कीजिए।

6. 'कितनी नावों में कितनी बार' में जीवन संघर्ष का यथार्थ उद्‌गम हुआ है।' सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

7. 'बावरा अहेरी' में भावगत विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए।

8. निम्नलिखित अवतरणों में से किन्हीं **दो** की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

(क) ''और सचमुच, उन्हें जब-जब देखता हूँ
यह खुला वीरान संसृति का घना हो सिमट आता है–
और मैं एकांत होता हूँ समर्पित।
शब्द जादू है–
मगर क्या यह समर्पण कुछ नहीं है ?''

(ख) ''हम नदी के द्वीप हैं।
हम नहीं कहते कि हम को छोड़ कर स्रोतस्विनी बह जाय।
वह हमें आकार देती है।
हमारे कोण, गलियाँ, अंतरीप, उभार सैकत कूल,
सब गोलाइयाँ उस की गढी हैं।
माँ है वह। है, इसी से हम बने हैं।''

(ग) ''पंचमी की चाँदनी कँपती उँगलियों से
आँख पथरायी समय की आँज जावेगी
लिखत को 'आज' की फिर पोंछ 'कल' के लिए पाटी माँज जावेगी।

(घ) ''काँगडे की छोरियाँ कुछ भोरियाँ सब गोरियाँ
लाल जी, जेवर बनवा दो खाली करो तिजोरियाँ
काँगडे की छोरियाँ।''

Total No. of Questions—7] [Total No. of Printed Pages—2

[3902]-413

M.A. (Fourth Semester) EXAMINATION, 2011

HINDI (हिंदी)

प्रश्न-पत्र 15 : विशेष स्तर : हिंदी साहित्य का इतिहास

(आधुनिक काल)

(2008 PATTERN)

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

सूचनाएँ :— (*i*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

(*ii*) प्रश्न क्र. **1** से **5** तक के प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(*iii*) प्रश्न क्र. **6** तथा **7** अनिवार्य हैं।

(*iv*) कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

1. द्विवेदीयुगीन हिंदी गद्य साहित्य का स्वरूप स्पष्ट करते हुए उसकी सामान्य विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

2. हिंदी उपन्यास साहित्य के विकासक्रम को स्पष्ट करते हुए उपन्यासकार प्रेमचंद के योगदान पर प्रकाश डालिए।

3. हिंदी आलोचना के उद्‌भव और विकास का संक्षेप में परिचय दीजिए।

4. भारतेंदुयुगीन काव्य की प्रवृत्तियों का विवेचन कीजिए।

5. छायावादी काव्य की प्रवृत्तियों का विवेचन करते हुए प्रसाद के योगदान पर प्रकाश डालिए।

6. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(*i*) हिंदी गद्य-विकास और ईसाई मिशनरी

(*ii*) नई कहानी

P.T.O.

(*iii*) निबंधकार रामचंद्र शुक्ल

(*iv*) प्रगतिवाद की सीमाएँ

(*v*) हिंदी की राष्ट्रीय-सांस्कृतिक काव्यधारा

(*vi*) कवि नरेश मेहता।

7. (अ) निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए : [12]

(*i*) भारतेंदु काल के किन्हीं **दो** गद्यकारों का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

(*ii*) 'सचेतन कहानी' की **दो** प्रमुख प्रवृत्तियों को स्पष्ट कीजिए।

(*iii*) भारतेंदु के नाटकों की प्रमुख **दो** विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए।

(*iv*) श्रीधर पाठक के काव्य का परिचय दीजिए।

(*v*) दुष्यंतकुमार के काव्य की **दो** प्रमुख विशेषताएँ लिखिए।

(*vi*) राष्ट्रकवि 'दिनकर' का परिचय दीजिए।

(आ) निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का उत्तर **एक-एक** वाक्य में लिखिए : [4]

(*i*) फोर्ट विलियम कॉलेज किस दृष्टि से महत्वपूर्ण है ?

(*ii*) उषा प्रियंवदा की **दो** कहानियों के नाम लिखिए।

(*iii*) 'प्रियप्रवास' के रचनाकार कौन हैं ?

(*iv*) 'प्रयोगवाद' के प्रवर्तक कौन हैं ?